❀ सत्य ❀

कबीरसागर ।

प्रथम खण्ड ।

ज्ञानसागर ।

कबीरपंथी भारतपथिक—

स्वामी श्रीयुगलानन्द (बिहारी) द्वारा संशोधित ।

जिसको

गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष "लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापेखानेमें

मैनेजर पं० शिवदुलारे वाजपेयीने मालिकके लिये

छापकर प्रसिद्ध किया ।

[illegible] १८४३.

कल्याण-मुंबई.